नियन्त्रित अवलोकन

नियंत्रित अवलोकन में अवलोकनकर्ता पर तो नियन्त्रण होता ही है साथ ही साथ अवलोकन की जाने वाली घटना अथवा परिस्थिति पर भी नियन्त्रण किया जाता है। इस प्रकार के अवलोकन में दो तरह से नियन्त्रण किया जाता है —

1. सामाजिक घटना पर नियन्त्रण — जिस तरह प्राकृतिक विज्ञानों में प्रयोगशाला में परिस्थितियों को नियंत्रित करके अध्ययन किया जाता है, उसी प्रकार समाज वैज्ञानिक भी सामाजिक घटनाओं को नियंत्रित करके उनका अध्ययन करते हैं। इस विधि का प्रयोग बालकों के व्यवहारों आदि के अध्ययन में प्रयुक्त किया जाता है।

Scanned with CamScanner

2. अवलोकनकर्ता पर नियन्त्रण - इसमें घटना पर नियन्त्रण न रखकर अवलोकनकर्ता पर नियन्त्रण लगाया जाता है। यह नियन्त्रण कुछ साधनों द्वारा संचालित किया जाता है जैसे - अवलोकन अनुसूची, मानचित्रों, विस्तृत क्षेत्रीय नोट्स व डायरी, टेप रिकार्डर आदि।

सहभागी अवलोकन

सहभागी निरीक्षण की अवधारणा का प्रयोग सर्वप्रथम लिण्डमैन ने अपनी पुस्तक में किया था। तब से ही सहभागी निरीक्षण एक महत्वपूर्ण प्रविधि के रूप में लोगों के सामने आया। पी० एच० मान ने लिखा है "सहभागी अवलोकन का तात्पर्य एक ऐसी दशा से है जिसमें अवलोकनकर्ता अध्ययन किए जाने वाले समूह का वास्तविक सदस्य बन जाता है। पूर्ण - सहभागी में वह अवलोकनकर्ता अध्ययन किए जाने वाले समूह में जा कर रहने लगता है। उस समूह के सभी क्रियाओं में एक सदस्य की तरह भाग लेता है

समूह के सदस्य भी उसे स्वीकार कर लेते हैं और उसे अपने समूह का सदस्य मान लेते हैं।

प्रो. जॉन हॉवर्ड जेल में रहने वाले कैदियों का अध्ययन करने के लिए अनेक वर्षों तक जेल में कैदियों के साथ ही रहे।

असहभागी अवलोकन

यह विधि सहभागी अवलोकन के विपरीत है। जिसमें निरीक्षणकर्ता सामाजिक जीवन में स्वयं प्रवेश करने के बजाय उसके बाह्य पहलुओं का ही निरीक्षण करता है। जिसमें अवलोकनकर्ता अध्ययन समूह के बीच उपस्थित रहते हुए भी उनके क्रियाकलापों में भागीदारी नहीं निभाता बल्कि पृथक रहते हुए एक दर्शक की भाँति घटनाओं को देखता सुनता है तथा उनका आलेखन करता है।

अर्द्धसहभागी अवलोकन

अर्द्धसहभागी अवलोकन सहभागी एवं असहभागी अवलोकन दोनों का

समन्वय है। इसमें अवलोकनकर्ता परिस्थिति आवश्यकता और घटनाओं की प्रकृति के अनुसार कभी अध्ययन समूह में सहभागिता निभाते हुए सूचनाएँ एकत्रित करता है और कभी उससे पूर्णतया पृथक रहकर एक दर्शक के रूप में सूचनाएँ एकत्रित करता है।

सामूहिक अवलोकन

सामूहिक अवलोकन में अध्ययन की जाने वाली घटना के विभिन्न पक्षों का एकाधिक विषय विशेषज्ञों द्वारा अवलोकन किया जाता है इसमें सभी अवलोकनकर्ताओं में कार्य को बाँट दिया जाता है और उनके कार्यों का समन्वय एक केन्द्रीय संगठन द्वारा किया जाता है।

सामूहिक अवलोकन का प्रयोग 1989 में इंग्लैण्ड में वहाँ के निवासियों के जीवन, स्वभाव व विचारों के अध्ययन हेतु किया जाता था।

Scanned with CamScanner

classmate
Date
Page

Date 20/7/20.

B.A. Part II
Paper - IV
Lecture no- 46
Assistant Professor Marwari college Darbhanga.

TOPIC आपातकाल के प्रकार।